THRU the BIBLE



कैसे
धर्मग्रंथ संलग्नता
का उपयोग करे



शुरू करने से पहले प्रार्थना करें
प्रत्येक पाठ को शुरू करने से पहले, प्रभु से प्रार्थना करें कि वह इसका उपयोग आपको अनुग्रह में और हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के ज्ञान में बढ़ाने के लिए करें।



बाइबल का अंश पढ़ें
जब आप अंश पढ़ें तो परमेश्वर को अपनी आँखें खोलने और उसके वचन की आपकी समझ को गहरा करने के लिए आमंत्रित करें।



पवित्रशास्त्र संलग्नता मार्गदर्शिका का अध्ययन करें
आपके द्वारा पढ़े गए अंश के अर्थ, संदर्भ और व्यक्तिगत अनुप्रयोग पर चिंतन करने के लिए प्रदान की गई पवित्रशास्त्र संलग्नता अध्ययन का अध्ययन करें।



पवित्रशास्त्र संलग्नता सवालों पर चिंतन करें
प्रत्येक शिक्षण के बाद, व्यक्तिगत चिंतन और अनुप्रयोग के लिए सूचीबद्ध पवित्रशास्त्र संलग्नता सवालों पर विचार करें और आपके छोटे समूह चर्चाओं के लिए.



डॉ. जे. वर्नोन मैक्गी की शिक्षा को सुनें
यदि आप इस अंश पर संपूर्ण ऑडियो शिक्षा सुनना चाहते हैं, तो ttb.bible पर जाएं या अपनी भाषा में THRU the BIBLE ऐप डाउनलोड करने के लिए अंतिम पृष्ठ पर दिए गए QR कोड को स्कैन करें।



हमारे सुझाए गए रोकने और शुरू करने के आइकन का इस्तेमाल करें। यह आपको सामग्री को सोच-समझकर और अपनी लय में आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

आपके लिए

इस धर्मशास्त्र संलग्नता का उपयोग कैसे करें पृष्ठ 2

परमेश्वर अपने वादे की पुनः पुष्टि करता है
(उत्पत्ति 13:14-18) पृष्ठ 4

सदोम और गमोरा
(उत्पत्ति 14:1-24) पृष्ठ 10

वादा, युद्ध और ईमानदारी

स्वर्गीय पिता,

अब्राम के जीवन के माध्यम से हमें यह सिखाने के लिए धन्यवाद कि सच्चा आशीष विश्वास से मिलता है, न कि हमारे अपने प्रयासों से।
हे प्रभु, हमें अपने वादों पर चलने में हमारी सहायता कीजिए, आप पर भरोसा रखते हुए, अपने पालनहार के रूप में और जीवन के हर पड़ाव में आपका सम्मान करने में हमारी मदद कीजिए। हमारी विजय आपके नाम कि महिमा करे और आपकी कृपा की समृद्धि को प्रकट करे।

यीशु के नाम में, आमीन।

प्रभु अपने वादे की पुनः पुष्टि करता है

उत्पत्ति 13:14-18

जब लूत अब्राम से अलग हो गया तब उसके पश्चात यहोवा ने अब्राम से कहा, आंख उठा कर जिस स्थान पर तू है वहां से उत्तर-दक्खिन, पूर्व-पश्चिम, चारों ओर दृष्टि कर। क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरे वंश को युग युग के लिये दूंगा।

उत्पत्ति 13:14-15

जब लूत अंततः चला गया, तो **परमेश्वर ने फिर से बात की।** मिस्र में अब्राम के समझौते के बाद जो सन्नाटा छाया हुआ था, वह परमेश्वरीय आश्वासन से टूट गया। कभी-कभी जब **हम उन रिश्तों, आदतों या बंधनों को छोड़ देते हैं जो हमें पूर्ण आज्ञाकारिता से रोकते हैं**, तो **परमेश्वर की वाणी अधिक स्पष्ट हो जाती है** (2 कुरिन्थियों 6:17-18)। अब्राम एक बार फिर परमेश्वर की वाणी स्पष्ट रूप से सुन सका।

आप किन रिश्तों, आदतों या संबंधों को थामे हुए हैं?

परमेश्वर ने उससे कहा, "**अब अपनी आँखें ऊपर उठाओ**..." इससे पहले लूत ने अपनी आँखें सदोम की ओर उठाई थीं और उसे **सांसारिक अवसर दिखाई दिए थे।** अब अब्राम ने अपनी आँखें स्वर्ग की ओर उठाईं और उसे **परमेश्वरीय वादा दिखाई दिया।** कितना बड़ा अंतर! **एक ने दृष्टि से देखा, दूसरे ने विश्वास से।**

परमेश्वर की वाचा **स्पष्ट और सटीक** थी। उस भूमि की सीमाएँ, दिशा और निश्चित थे। मैक्गी हमें याद दिलाते हैं कि परमेश्वर वास्तविक चीज़ों से व्यवहार करते हैं, अस्पष्ट सपनों या प्रतीकात्मक आशाओं से नहीं। स्वर्ग उतना ही वास्तविक है जितना कि वह भूमि जिस पर अब्राम खड़ा था।
परमेश्वर के वादे **ठोस, भरोसेमंद और शाश्वत हैं।**

क्या स्वर्ग सचमुच एक असली जगह है?



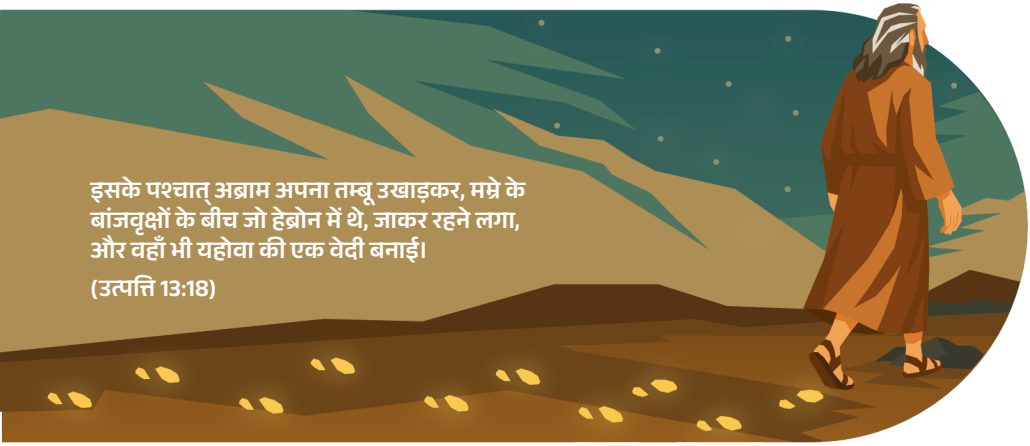
'उठ, इस देश की लम्बाई और चौड़ाई में चल फिर; क्योंकि मैं उसे तुझी को दूँगा।
(उत्पत्ति 13:17)

विश्वास केवल देखता नहीं, चलता भी है। परमेश्वर ने अब्राम को उस भूमि का अन्वेषण करने, अपने वादे पर कदम रखने के लिए आमंत्रित किया। **हर कदम विश्वास का प्रतीक था।**

सच्चा विश्वास कर्मों की ओर ले जाती है, ऐसे कर्म जो परमेश्वर की आज्ञा का पालन करते हुए किए जाते हैं।



> परमेश्वर सैद्धांतिक बातों से नहीं, बल्कि वास्तविक और यथार्थ बातों से व्यवहार करता है।



अब्राम हेब्रोन के मम्रे में बस गए, ये नाम समृद्धि और सहभागिता का प्रतीक हैं। वहाँ उन्होंने एक और वेदी बनाई। अब्राम जहाँ भी गए, वहाँ से उनकी पहचान आसानी से हो जाती थी, क्योंकि वे अपने पीछे आस्था की गवाही छोड़ गए थे।

मैकगी का कहना है कि जहाँ मनुष्य ने चंद्रमा पर पदचिह्न और झंडे छोड़े हैं,
वहीं अब्राम ने पृथ्वी पर वेदी स्थापित की। अंतर गहरा है। अब्राम की संपत्ति आध्यात्मिक थी, परमेश्वर के साथ सहभागिता की संपत्ति।



हारान

महा सागर

शेकेम

बेतेल और आई

कनान

मृत सागर

मिस्र

इसके बारे में सोचें

सवाल 1

क्या दुनिया में कोई ऐसी चीज है जो आपको प्रतिदिन परमेश्वर के साथ संवाद करने से रोक रही है?

सवाल 2

क्या आपका विश्वास निष्क्रिय है, या आपका विश्वास कर्मों में परिणत हो रहा है? (याकूब 2:20-26)

लागू करें

सवाल 3

आप अपने पीछे किस प्रकार की गवाही छोड़ रहे हैं, महत्वाकांक्षा के पदचिह्न या उपासना की वेदी?

कुछ समय निकालकर अपनी समस्याओं के बजाय परमेश्वर के वादों पर ध्यान दें। विश्वास के साथ आज्ञापालन में चलें और परमेश्वर ने आपको जो करने को कहा है, उस एक बात पर अमल करें।

आज ही एक आध्यात्मिक वेदी बनाएं। एक डायरी बनाएं जिसमें उन समयों और स्थानों को अंकित करें जो आपके जीवन में परमेश्वर की वफादारी की गवाही देते हैं।

जो लागू करना हैं उसका चित्र बनाये

सदोम और गमोरा

उत्पत्ति 14:1-24



उत्पत्ति 14 में धर्मग्रंथ में **दर्ज पहले युद्ध** का परिचय मिलता है। **हालाँकि यह अब्राम की कहानी में एक रुकावट जैसा लगता है,** लेकिन यह **सांसारिक संघर्ष** को **आध्यात्मिक आह्वान** से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण अध्याय बन जाता है।



आलोचकों ने एक समय इस विवरण पर संदेह व्यक्त किया था, लेकिन पुरातत्व ने इन राजाओं के अस्तित्व की पुष्टि कर दी है। अम्रापेल की पहचान हम्मुराबी के रूप में हुई है, जो एक बार फिर साबित करता है कि परमेश्वर का वचन समय और संदेह के विरुद्ध सत्य है।



इन लड़ाइयों के बीच, लूत को बंदी बना लिया गया। जिस व्यक्ति ने कभी समृद्धि के कारण सदोम को चुना था, अब उसके पतन के साथ ही उसे बंदी बना लिया गया। जिस नगर ने सुख-सुविधाओं का वादा किया था, वही बंदी बना ले गया।

क्या आप दुनिया के बहुत करीब रह रहे हैं?

सावधान रहें, कहीं आप इसके विनाश की चपेट में न आ जाएं।

> एक अर्थ में, यह एक अत्यंत उल्लेखनीय अध्याय है... उत्पत्ति की पुस्तक के सबसे महत्वपूर्ण अध्यायों में से एक।

यह सुनकर कि उसका भतीजा बन्दी बना लिया गया है, अब्राम ने अपने तीन सौ अठारह प्रशिक्षित, युद्ध कौशल में निपुण दासों को लेकर जो उसके कुटुम्ब में उत्पन्न हुए थे, अस्त्र-शस्त्र धारण करके दान तक उनका पीछा किया। (उत्पत्ति 14:14)

जब अब्राम ने लूत के पकड़े जाने की खबर सुनी, तो उनके विश्वास ने उन्हें कार्रवाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने प्रशिक्षित सेवकों को इकट्ठा किया और आक्रमणकारी राजाओं का पीछा करते हुए उत्तर की ओर दमिश्क तक गए। संख्या में भारी अंतर होने के बावजूद, अब्राम को विश्वास था कि युद्ध प्रभु का है।
रणनीति और साहस से उसने शत्रु पर विजय प्राप्त की और लूत, बंदियों और उनकी समस्त संपत्ति को छुड़ा लिया।

आपको क्या लगता है कि अब्राम लूत को बचाने के लिए क्यों निकला?



तब शालेम का राजा मलिकिसिदक का राजा मलिकिसिदक: शालेम का राजा जिसका नाम धार्मिकता का राजा था, वह रोटी और दाखमधु लाया। वह परमेश्वर और मनुष्य के बीच एक मध्यस्थ था, जो इस बात को दर्शाता है कि परमेश्वर ने अपनी दया का हाथ आगे बढ़ाया हुआ है, और मनुष्य विश्वास के हाथ से उस तक पहुँचता है। , जो परमप्रधान परमेश्वर का याजक था, रोटी और दाखमधु ले आया। और उसने अब्राम को यह आशीर्वाद दिया, "परमप्रधान परमेश्वर की ओर से, जो आकाश और पृथ्वी का अधिकारी है, तू धन्य हो। ' (उत्पत्ति 14:18-19)

मलिकिसिदक का उल्लेख शास्त्र में अचानक होता है, बिना किसी वंशावली या पृष्ठभूमि के, जो परमप्रधान परमेश्वर ("एल एल्योन") की उपासना करने वाले याजक-राजा को दर्शाता है।

उनकी भूमिका यीशु की झलक दिखाती है: एक शाश्वत याजक और राजा जिसका न कोई आरंभ है और न कोई अंत (भजन संहिता 110:4; इब्रानियों)। उनके द्वारा दी गई रोटी और दाखमधु मसीह के बलिदान और प्रभु भोज की संगति की ओर इशारा करती है।

अब्राम ने अपनी सारी संपत्ति का दसवां हिस्सा मलिकिसिदक को दिया। उनके इस कार्य ने सार्वजनिक रूप से यह घोषणा की कि उनकी विजय परमेश्वर की ओर से हुई है, न कि उनकी अपनी शक्ति से।



आपको क्या लगता है कि मलिकिसिदक का परिचय यहाँ क्यों दिया गया ?

पिछले अध्याय में हमने देखा कि अब्राम ने गलत चुनाव किए। यहाँ भी, अब्राम एक ऐसे मोड़ पर है जहाँ उसके सामने एक चुनाव का विकल्प रखा गया है। क्या परमेश्वर के साथ पुनः संवाद स्थापित करने से उसमें कोई परिवर्तन आया है?

सदोम का राजा अब्राम के पास धन-दौलत और इनाम की पेशकश लेकर आया। उस समय के नियमों के अनुसार, अब्राम को लूट का पूरा अधिकार था, फिर भी उसने इनकार कर दिया। **परमेश्वर ने मलिकिसिदक के आशीष के द्वारा अब्राम को इस परीक्षा के लिए पहले ही तैयार किया जा चुका था।** आराधना से बल पाकर, अब्राम सांसारिक लाभ को परमेश्वर की महिमा छीनने नहीं देगा।

उसने परमपिता परमेश्वर, एल एल्योन स्वर्ग और पृथ्वी के स्वामी के प्रति अपनी निष्ठा घोषित की। **अब्राम नहीं चाहता था कि कोई भी व्यक्ति यह दावा करे, "मैंने उसे धनवान बनाया।" वह चाहता था कि हर सफलता केवल परमेश्वर के हाथ की ओर इशारा करे।**



इसके बारे में सोचें

सवाल 1

अब्राम द्वारा सदोम से धन लेने से इनकार करना किस प्रकार प्रकट करता है कि वह परमेश्वर को ही आशीष का सच्चा स्रोत मानता था?

सवाल 2

आप उन सूक्ष्म प्रलोभनों को कैसे पहचानते हैं और उनका विरोध कैसे करते हैं जो परमेश्वर के प्रति आपकी गवाही को खतरे में डाल सकते हैं?

लागू करें

सवाल 3

जीवन का कोई भी निर्णय लेने से पहले, अपने हृदय की जांच करें और अपने इरादों को परमेश्वर के प्रति समर्पित करें। यदि आपका इरादा स्वार्थपूर्ण लाभ के लिए है, न कि परमेश्वर का सम्मान करने के लिए, तो उस निर्णय पर पुनर्विचार करें और पहले से ही परमेश्वर का सम्मान करने का संकल्प लें।

जो लागू करना हैं उसका चित्र बनाये

इससे आपको क्या सीख मिली ?

अपने जीवन में 'परमेश्वर की बुद्धि' को एकीकृत करना।

मैक्गी का सुविचार



“अब्राहम ने बस परमेश्वर पर विश्वास किया। उसने परमेश्वर की बात को स्वीकार किया और उस पर भरोसा किया। उद्धार पाने का यही तरीका है: यह विश्वास करना कि परमेश्वर ने तुम्हारे लिए कुछ किया है, कि मसीह तुम्हारे लिए मरा और फिर जी उठा। केवल मसीह को स्वीकार करने मात्र से ही परमेश्वर तुम्हें धर्मी घोषित कर देगा।”

THRU the BIBLE

हमारे संसाधनों तक पहुँचें

THRU the BIBLE ऐप डाउनलोड करें और ऑडियो बाइबल शिक्षाएँ सुनें
200 से अधिक भाषाओं में उपलब्ध है।

ttb.bible पर जाएँ

स्क्रिप्चर एंगेजमेंट पुस्तक में अधिक खंडों वाली हमारी इंटरैक्टिव डिजिटल फ्लिप पुस्तक खोजें हमारी वेबसाइट पर

ttbsa.org पर जाएँ